पत्रकारिता दुनिया का सबसे सुखमय व चुनौतीपूर्ण पेशा

हिंदी विवि के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र में ओरिएंटेशन व्याख्यानों का आयोजन

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा शिक्षण, प्रशिक्षण एवं विद्यार्थियों में मीडिया के प्रति चैतन्य करने के लिए देश-विदेश से मीडियाविद् व प्रख्यात मीडियाकर्मियों का संवाद एवं व्याख्यान कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस् क्रम में साधना न्यूज चैनल हेड एन. के. सिंह, प्रेस इन्फारमेशन ब्यूरो (पीआइबी) मुंबई के संयुक्त निदेशक सी.के. सिंह, भारतीय जनसंचार संस्थान (आइआइएमसी) के पूर्व निदेशक प्रोफेसर प्रदीप माथुर, जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली के प्रोफेसर असगर वजाहत, न्यूज स्ट्रीट वेब पोर्टल के संपादक आलोक वर्मा, अमेरिका के मीडिया विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉ. जान एडापल्ली तथा आजतक चैनल के एक्जीक्यूटिव प्रोडूयसर हर्ष रंजन इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। केंद्र द्वारा विद्यार्थियों में मीडिया अभिरूचि एवं रूझान को आरंभिक आकृति देने के लिए यह आयोजन सत्रारंभ में आयोजित किया गया जिसमें विद्वानों ने मीडिया-समाज के अंतर्सम्बंधों व वर्तमान द्वंद्व की चिंताओं तथा संभावित समाधान पर चर्चा की।

भारतीय ब्राडकास्ट एसोसिएशन के सचिव और साधना न्यूज चैनल हेड एन. के. सिंह ने पत्रकारिता को दुनिया का सबसे सुखमय पेशा बताते हुए कहा कि यह पेशा सभी पेशे से नायाब है। मीडिया के पेशे में नैसर्गिक आनंद मिलता है जो समाज सृजन में सकारात्मक सापेक्ष सिद्ध होता है। छात्रों को उन्होंने धरातल से शिखर जैसी प्रवृत्ति से सीख हासिल करने को कहा। उन्होंने बताया कि एक पत्रकार को विभिन्न जानकारियों से परिपूर्ण होने के लिए निरंतर ज्ञान मीमांसा रखनी चाहिए। उन्होंनें छात्रों को अपराध रिपोर्टिंग, राजनीतिक रिपोर्टिंग समेत कई विशेष रिपोर्टिंग की बारीकियों के बारे में भी बताया।

प्राइवेट चैनल के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय टेलीविजन के आए हुए लगभग सोलह साल हो रहे हैं। ऐसे में पूरी परिपवक्ता का अभाव है। इसी वजह से थोड़ी बहुत गलतियां देखने को मिलती है। लेकिन, हाल के तीन चार वर्षों में इसमें भारी बदलाव आया है। आने वाले दिनों में टेलीविजन की दुनिया में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेगें। टीआरपी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि करोड़ो दर्शक की भावना को महज कुछ हजार दर्शकों द्वारा मापना उचित नहीं है। वहीं, आजतक के एक्जीक्यूटिव प्रोडयूसर हर्ष रंजन ने छात्रों को चैनल के ढांचे और कार्य तकनीकी के बारे में समझाया। उन्होंने वृत्तचित्र के माध्यम से कार्यक्रम निर्माण के तकनीकी पहलुओं को समझाया।

केंद्र निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनिल के.राय अंकित ने सभी विशषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति हमारे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। इस तरह के ओरिंएटेशन क्लास की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके द्वारा छात्रों में मीडिया को जानने व समझने की चेतना विकसित होती है। विशेष व्याख्यान एवं मीडिया संवाद में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग के अनेक शोधार्थी व विद्यार्थी अपनी जिज्ञासाएं लेकर उपस्थित हुए तथा विशेषज्ञों से लाभान्वित हुए।

फोटो कैप्शन : साधना न्यूज चैनल के संपादक श्री एन.के.सिंह एवं केंद्र निदेशक प्रो. अनिल के.राय 'अंकित'